कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	05.06.2024	06.06.2024	07.06.2024	07.06.2024	08.06.2024
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (से.)	41.2	40.0	40.3	42.8	43.0
न्यूनतम तापमान (से.)	26.2	27.8	28.7	27.3	26.5
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	56	57	68	68
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	10	12	16	13	14
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	17	17	13	17	16
पवन दिशा (डिग्री)	292	79	112	101	71
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	2	2	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 05 से 09 जून के मध्य आसमान प्रायः साफ एवं मौसम शुष्क रहने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान 01–02 डिग्री सेंटीग्रेड बढने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 40.3 से 43 डिग्री सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 26–30 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 45 से 50 प्रतिशत तथा दोपहर में 15 से 20 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में 12–16 किमी/घंटा की रफतार से पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

लत्तर वाली सब्जियों जैसे– नेनुआ, करैला, लौकी और खीराफसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।

लघु संदेश सलाह :

आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि होने की संभावना के कारण किसानों को आवश्यकतानुसार फसलों में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

फसल विशिष्ट सलाह :

चावल	धान की नर्सरी स्थापित करें। देर से पकने वाली धान की किस्में राजश्री, राजेंद्र मंसूरी, रोजेद्र श्वेता, किशोरी स्वर्ण सब–1, बीपीटी–5204, सत्यम आदि की नर्सरी स्थापित करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरायें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25 से 1.5 मीटर एवं

	लम्बाई सुविधानुसार रखें। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें तथा बुआई से पूर्व उपचारित करना सुनिश्चित करें।
मक्का	खरीफ मक्का की इुआई के लिए मौसम अनुकूल है। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। मक्का की अनुशंसित सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 है।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

भिण्डी	भिडी एवं बोरा में नत्रजन का उपरिवेशन करें। कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 2 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 7–10 दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कद्दू वर्गीय सब्जियों में चूर्णिल आसित के आक्रमण होने पर केराथेन 1.5 ग्राम प्रति लीटर या 25 कि0ग्रा0 सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर से भूरकाव करें।
लीची	लीची तोड़ने के बाद लीची के बाग की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद 2.5 किलोग्राम यूरिया 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट 1.3 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को पेड़ के पूरे फैलाव में समरूप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।

पशुपालन पालन विशिष्ट सलाहः

गाय	पशुओं के चारा के लिए ज्वार बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ लोबीया तथा राईस बीन की बुआई अर्न्तवर्ती खेती में करने से चारे की गुणवत्ता बढ़ जायेगी तथा दुधारू पशुओं के लिद पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए पशुओं को टीकाकरण कराने की आवश्यकता है।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह

कृषि क्षेत्र	जो किसान फलदार वृक्ष लगाना चाहते हैं और वृक्ष लगाने के लिए गड्ढ़ा खोदे हैं वे जून के पहले सप्ताह में आम, लीची आदि फलदार वृक्षों के लिए खोदे गड्ढ़ों में मिट्टी के साथ अनुशांसित मात्रा में खाद उर्वरक एवं थाइमेट देकर उपर तक भर दें।